RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 | अंक 7 | जून 2019 | विक्रमी सं. 2076 | मूल्य : एक रुपया

विद्या भारती शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और सामाजिक समरसता के भाव छात्रों में प्रदान करने का कार्य कर रही है- महामहिम आनंदी बेन पटेल

- **गगन दीक्षित ने 500/499 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया।**
- **10वीं, 12वीं की प्रदेश की प्रावीण्य सूची में 208 छात्रों में से सरस्वती शिशु मंदिर के 49 छात्रों ने स्थान प्राप्त किया।**
- **कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान से लगातार 10वें स्थान तक सरस्वती शिशु मंदिरों के 37 भैया/बहिनों ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर एक नया इतिहास रचा।**

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्य प्रदेश (भोपाल) की कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम आने के पश्चात प्रदेश की प्रावीण्य सूची में आने वाले छात्रों के लिए प्रतिभा अभिनंदन समारोह प्रदेश के राजभवन, भोपाल में राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल के मुख्य आतिथ्य में संम्पन्न हुआ।

इस समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रदेश की राज्यपाल माननीया श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने कही कि विद्या भारती शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुसाशन और समाजिक समरसता के भाव छात्रों में पिरोने का कार्य कर रही है। श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने कही कि विद्याभारती पूरे देश में गरीब व मध्यम वर्ग के परिवार के छात्रों को शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ाता है, जिसके परिणाम स्वरूप आज छोटे एवं मध्यम परिवारों के छात्र प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर रहे हैं। अच्छे परिणाम के लिए छात्र को स्वयं भी बेहतर करना होता है। शिक्षक भी क्रिएटिव होता है तब छात्र बेहतर प्रदर्शन करता है। विद्या भारती के आचार्य इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

उल्लेखनीय है कि गत् दिनों माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में हाईस्कूल की प्रावीण्य सूची में सरस्वती शिशु मंदिर, गोरझामर, जिला सागर के भैया गगन दीक्षित, पिता श्री राजेश दीक्षित ने 500/499 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरा स्थान भैया दीपेन्द्र, पिता श्री ध्रुव कुमार अहिरवार, रिमझरिया, सागर ने 500/497 अंक तथा तीसरा स्थान भैया हर्ष कुमार कोष्टी, पिता श्री सुनील कुमार, लक्ष्मीपुरा खेरवाड़ा, सागर का रहा। सम्पूर्ण प्रदेश में हाईस्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में सरस्वती शिशु मंदिरों के ही 37 छात्रों ने स्थान प्राप्त किया।

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा में प्रदेश प्रावीण्य सूची में सरस्वती शिशु मंदिर के 12 छात्रों ने स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं विद्या भारती संगठन को गौरवान्वित किया है। विद्याभारती मध्यप्रदेश द्वारा प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किए ऐसे सभी 49 छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रदेश के राजभवन में माननीया राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया।

सर्वहितकारी शिक्षा समिति के तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव सम्पन्न

सर्वहितकारी शिक्षा समिति का इस वर्ष का वार्षिकोत्सव प्रांतीय कार्यालय विद्याधाम, जालंधर में दिनांक 24 मई से प्रारंभ होकर 26 मई 2019 को समाप्त हुआ। वार्षिकोत्सव के उद्घाटन में श्री अविनाश राय खन्ना (विद्या भारती जल संरक्षण अभियान के संयोजक और कौशल्यादेवी प्रकाश राय खन्ना यादगारी ट्रस्ट के ट्रस्टी) तथा हिमाचल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सुरेश सोनी जी उपस्थित रहे।

श्री अविनाश राय खन्ना ने अपने उद्बोधन में कहा ''जल प्राणीमात्र को ईश्वर के द्वारा दिया गया एक बहुमूल्य वरदान है जिसका हमें कोई मूल्य नहीं देना पड़ता या बहुत कम देना पड़ता है। जल के बिना जीवन की कल्पना इस धरती पर संभव नहीं है। यदि शीघ्र ही हम इस बात को नहीं समझेंगे तो वह समय दूर नहीं जब हमें बून्द-बून्द जल के लिए तरसना पड़ेगा। हमें जल संरक्षण के उपायों का गंभीरतापूर्वक हल निकालना पड़ेगा। हम यह न सोचें कि हमारे द्वारा बचाए गए थोड़ा सा जल से क्या लाभ होगा। हमें यह सोचना है कि जब जल संरक्षण के संबंध में कुछ लिखा जाए तो हमारा नाम भी जल बचाने वाली सूची में अवश्य हो। उन्होंने अनेको उदाहरण देकर समझाया कि थोड़े से प्रयास से ही किस प्रकार हजारों लीटर पानी की बचत अनेक स्थानों पर की जा रही है।'' वर्तमान में कौशल्यादेवी प्रकाश राय खन्ना यादगारी ट्रस्ट और सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब के सामूहिक प्रयास से पूरे पंजाब के 200 से भी अधिक विद्यालयों में ''जल है तो कल है'' विषय पर लोगो (Logo) और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाया गया है। इस प्रतियोगिता के तीन ग्रुप बनाए गए। पहला ग्रुप कक्षा तीसरी से पाँचवीं तक, दूसरा ग्रुप कक्षा छठी से आठवीं तक तथा तीसरा ग्रुप कक्षा नौवीं से बारहवीं तक बनाया गया। इन सभी ग्रुपों के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र के साथ-साथ नकद राशि पुरस्कार एवं ट्रॉफी दी गई।

हिमाचल शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश सोनी ने कहा कि प्रसन्नता की बात है कि विद्या भारती ने इस बात को समझा कि एक शिक्षित व संस्कारित व्यक्ति ही अपने व समाज के लिए कुछ कर सकता है।

विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देना ही शिक्षा का लक्ष्य हो - श्री काशीपति जी

''आज विद्यार्थियों को क्लासरूम में ही बैठकर सैद्धांतिक ज्ञान देने का प्रचलन हो चुका है। जबकि विभिन्न प्रयोगों द्वारा उनको हम विषय भली प्रकार से समझा सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए अपनी बात स्पष्ट की कि यदि बच्चे को किसी पक्षी के बारे में बताना है तो उनको खुले स्थान पर ले जाकर उड़ते हुए पक्षी को दिखाना होगा। क्लासरूम में बहुत प्रयत्न के बाद हम जिस बात को कठिनाई से समझा पाएंगे वही बात उनको विभिन्न प्रयोगों द्वारा सहजता से सिखाया जा सकता हैं। विद्या भारती में अध्यापक या टीचर के स्थाान पर आचार्य-दीदी शब्द का प्रयोग किया जाता है। अपने आचरण से जो भी शिक्षा दे सके उसे 'आचार्य' कहते हैं। जैसे चीनी में मिठास और नमक के नमकीन न होने पर उसे चीनी या नमक नहीं कहा जा सकता है, ठीक उसी प्रकार एक आचार्य में आचार्यत्व न होने पर उसे आचार्य नहीं कहा जा सकता है। इस आचार्यत्व को अपने अन्दर बनाए रखना ही एक आचार्य का मुख्य उत्तरदायित्व है।'' उक्त उद्बोधन विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री जे.एम. काशीपति जी ने वार्षिक उत्सव के समापन सत्र में व्यक्त किए।

इस उत्सव में पंजाब के 124 स्थानों से 166 आचार्य दीदियाँ व प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। ये सभी आचार्य/प्रधानाचार्य दीदियाँ एक कठोर चयन प्रक्रिया से निकलने के बाद इस प्रांत स्तरीय वार्षिकोत्सव में शामिल हो पाए हैं।

15 दिवसीय आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग

विद्या भारती की प्रांतीय इकाई सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति, छत्तीसगढ़ की योजनानुसार 15 दिवसीय प्रांतीय आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 27 अप्रैल 2019 से प्रांतीय कार्यालय सेंदरी (कोनी), बिलासपुर में प्रारंभ हुआ। जिसके उद्घाटन सत्र में मान. शशिकान्त जी फड़के (ग्रामीण शिक्षा के राष्ट्रीय सह संयोजक) एवं वर्गाधिकारी श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एवं प्रांतीय सचिव श्री सियाराम शार्वा एवं श्री शत्रूघन सिन्हा (उपाध्यक्ष) के विशेष आतिथ्य में विधिवत हवन-पूजन के साथ शुभारंभ हुआ। वर्ग के उद्घाटन सत्र में श्री शशिकान्त फड़के ने 'विद्या भारती की आवश्यकता क्यों?' विषय पर शिक्षार्थियों के बीच अपनी बात रखा।

समिति के सचिव श्री सियाराम शार्वा ने वर्ग की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ग में छत्तीसगढ़ प्रांत के सभी जिलों के ग्रामीण विद्यालय के आचार्य प्रशिक्षण के लिए सहभागी हुए। यहाँ उन्हें ग्राम भारती के आयाम, शैक्षणिक, सामाजिक गतिविधि, बालक/बालिका के सर्वांगीण विकास, ग्रामों में स्वावलंबन के भाव से ग्राम विकास संबंधी शारीरिक, योग, संगीत आदि विषयों की प्रशिक्षण दी गई।

वर्ग में प्रांत के सभी जिले से 287 विद्यालयों से पुरूष 185, महिला 253, कुल 438 प्रशिक्षार्थी आचार्य दीदियों ने

भाग लिया।

शिक्षण सत्र में क्रिया आधारित एवं गतिविधि आधारित विषय के सत्र हुए। वैदिक गणित, अँग्रेजी शिक्षण, संस्कृत शिक्षण व हिन्दी शिक्षण का अभ्यास कराया गया। वर्ग में कई प्रतियोगिताएँ भी कराई गई।

वर्ग के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ने शिक्षार्थियों द्वारा शारीरिक प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन वास्तविक में आपके पंद्रह दिनों की तपस्या एवं परिश्रम को प्रदर्शित करता है।

मुख्य वक्ता श्री जुड़ावन सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता निर्माण की चार क्रियाएँ हैं – तपना, गलना, ढ़लना, और बनना। इस भीषण गर्मी में 15 दिनों तक आप लोग तप किए हैं, इसके अलावा यहाँ की गतिविधियों में भाग लिए, उसी के अनुरूप कार्य किए, फिर उसी प्रकार से कार्यकर्ता बने। भगवान श्रीराम को गुरु विश्वामित्र जब वन में ले गए तो इसी प्रकार उन्हें भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था। अंत में भारत माता की आरती के साथ वर्ग का समापन हुआ।

संतोष कुमार निषाद

प्रांतीय आचार्य प्रशिक्षण व विकास वर्ग सम्पन्न

विद्या भारती की प्रांतीय इकाई आंध्रप्रदेश द्वारा संचालित उच्च माध्यमिक विद्यालय के आचार्यों का प्रशिक्षण व विकास वर्ग दिनांक 29 अप्रैल से 19 मई तक 2019 तक विशाखापट्टनम में सम्पन्न हुआ। इस वर्ग के दो भाग था। जिन आचार्यों का सेवाकाल अधिक रहा है, उन आचार्यों का 09 दिनों का प्रशिक्षण हुआ एवं जो नवीन चयनित आचार्य हैं, उनका 20 दिनों का प्रशिक्षण हुआ।

इस प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ भविष्य निधि के प्रांतीय संचालिका श्रीमती इंदिरा जी ने दीप ज्योति प्रज्जवलन कर किया। मुख्य वक्ता विद्या भारती के उपाध्यक्ष श्री दिलीप जी बेतकेकर ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आचार्य के स्तर पर ही विद्यार्थी का स्तर निर्भर करता है। अत: आचार्य को निरंतर अपने स्तर में वृद्धि करते रहना चाहिए। यह इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग द्वारा ही संभव हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार एक जलता हुआ दीपक ही दूसरे दीपक को जलाकर प्रकाशमान करता है, आचार्यों को भी अपने जीवन में निरंतर ज्ञान की वृद्धि करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि आचार्य को केवल धन कमाने की आकांक्षा न रखते हुए सीखने का प्रयत्न सतत करते रहना चाहिए।

वर्ग में आचार्यों को उनके अपने पाठ्यांशों को अनुभवपूर्वक सीखने हेतु Field Trips का भी आयोजन किया गया। विज्ञान के आचार्यों को सभी विषयों की गतिविधि प्रयोगात्मक रूप से करके दिखाया गया। इसके साथ ही आचार्यों को कम्प्यूटर का भी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ग में विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दुसी रामकृष्ण राव एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री जे.एम. काशीपति जी ने आचार्यों का मार्गदर्शन किया। साथ ही दक्षिण-मध्य क्षेत्र एवं आंध्रप्रदेश के सभी प्रांतीय अधिकारियों का मार्गदर्शन प्रशिक्षु आचार्यों को मिला।

इस वर्ग की विशेषता यह रही कि जिस विद्यालय में वर्ग का आयोजन किया गया, उस विद्यालय के ही कक्षा 5वीं से 9वीं तक के विद्यार्थियों का बाल विकास शिविर का आयोजन भी साथ-साथ किया गया। विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के माताओं ने सभी शिक्षार्थियों को (मातृहस्तेन भोजन) भोजन कराया। साथ ही वर्ग के दौरान समाज के विविध क्षेत्रों से 35 प्रतिष्ठित व्यक्तियों से आचार्यों को परिचित कराया गया।

18 मई को सार्वजनिकोत्सव में जिले के शिक्षा अधिकारी श्री बी. लिंगेश्वर रेड्डी, उत्तर आंध्र प्रदेश प्रांत के एम.एल.सी. श्री पी. रघुवर्मा (मुख्य अतिथि) ने नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता और इस संदर्भ में विद्या भारती के विद्यालयों में किए जा रहे प्रयत्नों के बारे में बताया।

विद्या भारती दक्षिण-मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. चामर्ति उमामहेश्वर राव जी इस समारोप कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे। दीक्षांत समारोह 19 मई 2019 को विधिविधानपूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें विद्या भारती आंध्र प्रदेश के कार्यदर्शी श्री के. ओंकार नरसिंहम जी का प्रशिक्षार्थियों को मार्गदर्शन मिला।

नन्हे कदम, दक्षता की ओर

दिल्ली के माता लीलावंती सरस्वती विद्या मंदिर में विद्यालय सत्र की समाप्ति के दिन दक्षता वर्ग का सुन्दर आयोजन किया गया। 'नन्हे कदम, दक्षता की ओर' इस आधार वाक्य के उद्‌देश्य को पूर्ण करने हेतु आयोजकों ने कक्षा 6, 7 एवं 8वीं के बच्चों को ग्लास-पेन्टिंग्स का प्रशिक्षण कराया। कक्षा 3, 4 एवं 5वीं के बच्चों को पेपर क्राफ्ट के कई प्रयोगों का प्रशिक्षण कराया। इसी प्रकार कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों को नृत्य का प्रशिक्षण दिया गया।

माह के अंत में आने वाले कार्य-दिवस पर दक्षता का ऐसा ही कुशल आयोजन इस विद्यालय में कई महीने से चल रहा है। परिणाम स्वरूप छात्रों में स्वावलम्बन का विकास हो रहा है।

विभागीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

विद्या भारती की प्रांतीय इकाई भारती शिक्षा समिति, बिहार के तत्त्वावधान में पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर, नालंदा में तीन दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। वर्ग का उद्घाटन दिनांक 14 से 16 मई 2019 को प्रदेश के सचिव श्री गोपेश कुमार घोष ने माँ शारदा के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रदेश सचिव श्री घोष ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि सरस्वती संस्कार केन्द्र के आचार्य/दीदी सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में विद्या भारती की कार्य योजना को पहुँचा रहे हैं। छोटे-छोटे विद्यालय समाज का एक महत्त्वपूर्ण अंग होता है। आज बड़े-बड़े संस्थानों में शिक्षा तो मिल रही है, किन्तु शिक्षा के साथ-साथ संस्कार का घोर अभाव दिखता है। विद्या भारती ग्रामीण विकास शिक्षा योजना के माध्यम से उज्ज्वल एवं स्वच्छ ग्राम की कल्पना व विचार लेकर कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले वर्ष 2020 में बाल महाकुम्भ राँची में होगी, जिसमें 30,000 बच्चे एवं उनके अभिभावक शामिल होने वाले हैं। इसमें अनेक प्रकार के कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है। इस बाल महाकुम्भ के लिए कार्यकर्ता प्रशिक्षण बिहार एवं झारखंड में आयोजित हो रहे हैं। यह कार्य तभी पूर्णरुपेण सफल हो पाएगा, जब सभी कार्यकर्ता मिलकर ग्राम विकास योजना को साकार कर पाएँगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्या भारती की ग्रामीण शिक्षा को जन-जन से लेकर गिरि-कंदराओं एवं झुग्गी-झोपड़ीरियों तक भारतीय संस्कृति की विचारधारा एवं राष्ट्रीय भावना को पहुँचाना है।

प्रांत प्रमुख श्री किशोरी पंडित ने सभी महानुभावों से बाल-कुम्भ में आने का आह्वान किया। विभाग प्रमुख श्री रामलाल सिंह ने सहयोग करने वाले सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। शांतिमंत्र के साथ वर्ग का समापन हुआ।

संस्कृति बोध परियोजना की अखिल भारतीय कार्यशाला सम्पन्न

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में संस्कृति बोध परियोजना की अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08 जून 2019 को प्रारंभ हुई, जिसमें संस्थान के सचिव श्री अवनीश भटनागर एवं निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस कार्यशाला में देशभर के संस्कृति बोध परियोजना के क्षेत्रीय व प्रांतीय संयोजकों के साथ-साथ विशेष आमंत्रित सदस्य व लेखक सदस्यों ने भी प्रतिभागिता की। कार्यशाला में मुख्य रूप से वर्ष 2019-20 में आयोजित होने वाली संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र निर्माण एवं संस्थान द्वारा आयोजित होने वाली संस्कृति महोत्सव में संस्कृति ज्ञान प्रश्नमंच हेतु स्लाइड्स का निर्माण किया गया। संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री श्री अवनीश भटनागर ने प्रश्नपत्र निर्माण एवं प्रश्नमंच में अलग-अलग टोलियां बनाकर कार्य करने एवं किन-किन सावधानियों का ध्यान रखना है, इस पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री मान. श्रीराम जी आरावकर ने संगठनात्मक स्थिति की चर्चा की और उसे सुदृढ़ करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर डॉ. रामेन्द्र सिंह ने कार्यशाला में प्रतिभागियों के कार्यानुसार अलग-अलग समूह निर्माण करते हुए संस्थान की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी तथा सभी प्रतिनिधियों को कार्य के सम्यक विस्तार का श्रेय देते हुए अभिनंदन किया। इस वर्ष इस परीक्षा के स्तर में विस्तार कर इसे कक्षा 9 से 12 तक एवं आचार्य वर्ग के लिए यह परीक्षा (प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा एवं प्रज्ञा) ओ.एम.आर. शीट पर कराने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि विद्यालयों की ओर से भेजे जाने वाले परीक्षा पत्रक एवं शुल्क को इस बार ऑनलाइन संस्थान में भेजने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि संस्थान की सभी गतिविधियों की नवीनतम जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। इस माध्यम से दूर-दराज से परीक्षा पत्रक एवं शुल्क भेजने वाले विद्यालयों को समय एवं श्रम दोनों की बचत होगी।

वर्ग में एक अभिनव और अनुकरणीय प्रयोग
शिशुओं से कराया गया सत्र का संचालन

विद्या भारती, मध्यभारत प्रांत द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर हर्षवर्धन नगर, भोपाल में प्रांतीय शिशु वाटिका आचार्य प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 14 मई से 30 मई 2019 तक आयोजित किया गया। इस वर्ग की खास बात यह रही कि वर्ग में सभी सत्रों में समाज के वरिष्ठ, गणमान्य, शैक्षिक व विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। वर्ग में एक अभिनव और अनुकरणीय प्रयोग करते हुए भविष्य के गुणीजनों अर्थात् शिशुओं से सत्र का संचालन कराया गया। कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलन, अध्यक्षता से लेकर मंच संचालन एवं सत्र समापन तक के सभी कार्यक्रम नन्हें भैया-बहिनों द्वारा कराया गया।

विद्या भारती मध्य भारत प्रांत।

संगीत व्यक्ति को अंतर्मुखी बनाता है - श्री हेमचन्द्र

बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को आधारभूत विषयों का ज्ञान भी देना आवश्यक है, जिसमें से संगीत भी एक विषय है। संगीत विषय का ज्ञान छात्रों तक पहुँच सके एवं कार्य को गति मिल सके, इस हेतु विद्या भारती हरियाणा द्वारा एक दिवसीय संगीत आचार्यों की कार्यशाला का आयोजन दिनांक 15 अप्रैल 2019 को संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र में किया गया। जिसमें प्रांत के 09 संकुलों से 26 संगीत प्रमुख एवं वंदना प्रमुखों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में माननीय हेमचन्द्र जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री) एवं श्री रवि कुमार जी (संगठन मंत्री हरियाणा प्रांत) ने माँ शारदा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं वंदना के साथ किया। इस अवसर पर श्री हेमचन्द्र जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि शिक्षा के साथ संगीत भी छात्र के विकास में महत्त्वपूर्ण है। विद्या भारती के विद्यालयों की वंदना संस्कारप्रद वातावरण निर्माण करती है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संगीत व्यक्ति को अंतर्मुखी बनाता है जबकि पाश्चात्य संगीत बहिर्मुखी बनाता है। इसके साथ-साथ संगीत से जुड़े अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्यों पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में अखिल भारतीय तीनों गीतों का अभ्यास कराया गया एवं संकुलों में आगामी योजना का भी गठन किया गया। श्री रवि कुमार जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि विद्यालयों में बाल केन्द्रित एवं बाल संचालित वंदना सभा हो। संगीत विषय के पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन हो। विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बालकों की प्रतिभागिता अधिकाधिक हो एवं साथ में संस्कारपूर्ण प्रस्तुतियाँ हो। शांतिमंत्र के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

सम्भागीय कार्ययोजना क्रियान्वयन बैठक

विद्याभारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मन्दिर मिश्राना, लखीमपुर में लखीमपुर, सीतापुर और हरदोई संकुलों के 36 प्रधानाचार्यों ने सामूहिक रूप से सम्भागीय निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह तथा प्रदेश निरीक्षक राजेन्द्र बाबू के साथ द्विमासिक कार्य-योजना के क्रियान्वयन पर विचार किया और उसकी समीक्षा की।

बैठक का उद्‌घाटन प्रदेश निरीक्षक राजेन्द्र बाबू, सम्भाग निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह व विद्यालय के व्यवस्थापक रविभूषण साहनी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुनेन्द्र दत्त शुक्ल ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया। बैठक में विद्याभारती के आधारभूत विषय शारीरिक, योग, संगीत, संस्कृत, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा तथा प्रमुख आयामों-विद्वत परिषद्, क्रिया-शोध, संस्कृति बोध परियोजना एवं पूर्वछात्र परिषद् आदि विषयों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त शिक्षण, प्रशिक्षण, शिशु विकास एवं आचार्य विकास की योजना भी प्रस्तुत की गयी। प्रान्तीय परीक्षा प्रमुख अवधेश कुमार सिंह ने परीक्षा के प्रश्न-पत्रों की रचना, मूल्यांकन एवं परीक्षा नियमावली प्रस्तुत करते हुए उसकी गोपनीयता पर बल दिया। बैठक में विद्यालय के अध्यक्ष बलराम माथुर, उपाध्यक्ष ज्ञानस्वरूप शुक्ल कोषाध्यक्ष प्रवीण प्रकाश बरनवाल सहित जन शिक्षा समिति के सम्भागीय निरीक्षक कैलाश चन्द्र वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शान्ति-मंत्र के साथ हुआ।

सेवा निवृत आचार्य-प्रधानाचार्य सम्मान समारोह सम्पन्न

विद्या भारती मेरठ प्रांत के विभिन्न विद्यालयों के इस वर्ष 31 मार्च 2019 को सेवा निवृत्त होने वाले आचार्य, प्रधानाचार्य बन्धु व भगिनियों को एक समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। हापुड़ के सरस्वती बाल मंदिर विद्यालय में 16 से 19 मई 2019 तक चली प्रांत की प्रधानाचार्य बैठक के अंत में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष 41 आचार्य-आचार्याओं की सेवा निवृत्ति हुई है। सभी को सेवा उपहार राशि के साथ मस्तक पर तिलक लगा कर, स्मृति चिन्ह व मधुर स्मृति आलेख का पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्या भारती संगठन को अपने जीवन की महत्त्वपूर्ण अवधि दान करने हेतु सभी की सराहना की गई तथा विद्या भारती परिवार की ओर से उनको सुखद, स्वस्थ व दीर्घ जीवन की शुभकामनाएँ दी गई। सम्मान समारोह में विद्या भारती के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री जैनपाल जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री वी.के. त्यागी, क्षेत्रीय मंत्री श्री जितेन्द्र पाल सिंह, प्रांत मंत्री व सहमंत्री, प्रदेश निरीक्षक व अन्य पूर्णकालिकों के साथ प्रांत संगठन मंत्री श्री तपन कुमार जी का सभी को सान्निध्य मिला।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की साधारण सभा हुई सम्पन्न

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की साधारण सभा गुवाहाटी के शंकरदेव विद्या निकेतन, विष्णुपथ में 02 जून 2019 को सम्पन्न हुई। पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्य असम, अरुणाचल, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा से 151 सदस्य इस साधारण सभा में उपस्थित रहे। इस सभा का संचालन विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. जयकांत शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षामंत्री श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने विद्या भारती के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि आचार्यो के मेहनत से विद्या भारती के विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों का परीक्षा परिणाम हमेशा उत्कृष्ट आता है। शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि असम में मातृभाषा के प्रचार-प्रसार में विद्या भारती से संबंधित विद्यालयों का विशेष योगदान रहा है। शिक्षा मंत्री ने विद्या भारती के अखिल भारतीय अधिकारियों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु विचार करने को कहा। उन्होंने व्यक्तिगत एवं असम सरकार की ओर से सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। विद्या भारती के अ. भा. मंत्री श्री ब्रह्माजी राव ने विद्या भारती के कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि आदर्श विद्यालय, शोध व सेवा-कार्य इन तीन क्षेत्रों में विद्या भारती कार्यरत है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना ही विद्या भारती का मूल उद्देश्य है।

सभा में असम प्रकाशन भारती के सचिव श्री विवेकानंद शर्मा ने बाल साहित्य से संबंधित पुस्तकों का परिचय कराया। क्षेत्रीय मंत्री श्री सांचिराम पायेंग ने गत वर्ष की साधारण सभा की कार्यवाही का उल्लेख किया एवं वर्ष 2018-19 का वार्षिक वृत्त सभा में प्रस्तुत की।

विद्या भारती के अ. भा. सह संगठन मंत्री श्री गोविन्द चन्द्र महंत ने पूर्वोत्तर संवाद के नाम से समाचार पोर्टल, न्यूज लेटर व मोबाईल एप् का उद्घाटन किया। राजीव गाँधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. तामो मिबांग ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के कलात्मक विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा स्थानीय स्तर पर मातृभाषा, राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अँग्रेजी पर विशेष ध्यान देना चाहिए। शिक्षा मंत्री ने अरुणाचल शिक्षा विकास समिति के संयोजक श्री महेन्द्रनाथ चतुर्वेदी व अरुणाचल प्रदेश के अंतर्गत संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना के प्रमुख श्री अशोकन के.वी. को मानपत्र देकर सम्मानित किया गया।

माननीय अध्यक्ष जी द्वारा श्रीमती अनिमा शर्मा को पूर्वोत्तर क्षेत्र का उपाध्यक्ष व क्षेत्र के नए सह संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी के नाम की घोषणा की गई।

विद्या भारती के अ. भा. महामंत्री श्री श्रीराम जी आरावकर ने साधारण सभा में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या भारती का लक्ष्य है-'जग सिरमौर बनाएँ भारत'। इसके आगे उन्होंने कहा पूर्वोत्तर में विद्या भारती के कार्य को प्रारंभिक समय में कार्यकताओं ने बीजरूप में कार्य किया है। वर्तमान समय में कार्य की अनुकूलता देखते हुए विश्राम करने की जगह अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। विद्या भारती के कार्य के चारों आयाम विद्वत परिषद्, पूर्व छात्र, शोध कार्य व संस्कृति बोध परियोजना है। जनजाति क्षेत्र में विद्या भारती का कार्य बढ़े, इसलिए विद्यालयों में समर्पण के कार्यक्रम करना चाहिए।

आचार्य वृत्ति है, व्यवसाय नहीं - श्री प्रकाश रोकड़े

विद्या भारती मालवा प्रांत के शाजापुर विभाग के नवीन आचार्यो का विकास वर्ग दिनांक 09 जून 2019 को आयोजित हुई, जिसमें श्री प्रकाश जी रोकड़े सहित अध्यक्षता श्री सुरेन्द्र जी जोशी, वर्ग कार्यवाह श्री प्रदीप जी जोशी, संचालन श्री चंद्रशेखर जी शर्मा एवं स्वागत श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं श्री रामबाबू शर्मा ने किया।

उद्घाटन सत्र में श्री रोकड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'आचार्य वृत्ति है, व्यवसाय नहीं'। इसी विषय पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान, विज्ञान, शास्त्र आदि पढ़कर अपने जीवन में आत्मसात करना ही आचार्य कहलाता है। आचार्य को जीवन में हमेशा सीखने की ललक होनी चाहिए, तभी हम भैया-बहिनों का सर्वांगीण विकास कर पाएंगे। आचार्यत्व के नाते एक पवित्र कार्य के लिए हम सभी उपस्थित हुए हैं, व्यवसाय करने के लिए नहीं। हम सभी ने देश के लिए अच्छे नागरिक तैयार करने का संकल्प व्रत लिया है।

गाड़िया लोहार समाज की बेटी ने किया अपने समाज का नाम रोशन

राजस्थान उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा बारहवीं विज्ञान वर्ग की जारी परीक्षाफल में गाड़िया लोहार समाज की बेटी सोनू बोराणा (जिला-पाली, राजस्थान) ने 87.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने पिछड़े समाज का नाम रोशन किया। अभी तक गाड़िया लोहार समाज में शिक्षा का देश स्वतंत्र होने के इतने वर्षों बाद भी शिक्षा का उजियारा व जागरूकता की कमी भावी समय में शून्य नजर आती है। लेकिन इस बेटी ने उन नुमाइंदों पर अपनी मेहनत से समाज में एक नई जागृति व शिक्षा का सूर्य उदय करने की पहल की है।

सोनू सरस्वती विद्याा मंदिर की नियमित छात्रा है व पिछड़ी जाति गाड़िया लोहार समाज से है। इस समाज की आर्थिक स्थिति दयनीय व शिक्षा की कमी है। निम्न मध्यम वर्गीय परिवार में पिता पुश्तैनी काम करते हैं। सोनू की माँ और पिताजी ने बहुत ही मेहनत कर अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं और पिछड़े समाज की बालक-बालिकाओं को अच्छी शिक्षा के लिए प्रेरित कर रहें हैं।

स्कूल में सदा अव्वल रहने वाली सोनू एम.बी.बी.एस. बन कर, आमजन की सेवा कर अपने माता-पिता का सर गर्व से ऊँचा करना चाहती है। सोनू के पिता ने खबर सुनकर बोले, बेटी ने समाज में कद ऊँचा कर दिया।

Abhibhawak Sammelan organised in Garo Hills, Meghalay

Garudachal Vidyapeeth Sec. School, Belbari had organised its Abhibhawak Sammelan programme on 18th May 2019 at School premises.

The programme started with Deep Prajjwalan followed by Vandna and Welcome song presented by the students. Honorable Rituraj Ravi, Superintendent of Police, S/W Garo Hills was the chief guest of the programme and Sri Pranjit Pujari ji, P.J.S.S. joint secretary was the guest of honour of the sammelan. Besides them the Smd. Shyamananda Brahmchaari, patron of the school. The president, Secretary and the members of the SMC were present at event.

There are arround 156 Abhibhawak were present in the programme. Out which 105 are female guardians and the rest male guardians.

At the beginning of the programme, the guest were introduced and felicitated by the students. Then the pradhanacharya stated the objective of the programme and presented annual activity report of school. Then honorable Chief guest Sri Rituraj Ravi, S.P. S/w Garo Hills deliverd his speech. In his speech he stated the school the Temple of Education. Education gives career to the students and ultimately helps the country. He appreciated and encouraged the school authority to conduct such type of programmes. Then Sri Pranjit Pujari gave his valuable speech before the gatherings of the guardians. He gave the various tips to the guardians for motivating them and the roles they can play in helping their wards.

In the midst of the programme a Group Song was performed by the parents and students. From the guardians side also two guardians kept their speech and point out some activities of the teachers.

At the end of the programme the president of the school shri Dharmeshwar koch kept his short speech, then vote of thanks was offered by shri Kamal Kumar Sriwastava. The programme winds up with the Vande Mataram and Lite refreshment.

Bhartiya Shiksha Samiti J&K organised General Council Meeting in Ambphalla.

Vidya Bharti State unit Bhartiya Shiksha Samiti J&K organised its Annual General Council meeting in auditorium of BVM Ambphalla.

The meeting was inaugurated by Sh. J.M. Kashipati Ji, Organising Seceretary of Vidya Bharti Delhi in the presence of Mayor Sh. Chander Mohan Gupta Ji, Sh. Hem Chandra Ji (Main Speaker) Sangathan Mantri Vidya Bharti East UP, Sh. Arun Gupta President Bhartiya Shiksha Samiti J&K, Sh. Ram Lal Sharma Senior Vice President, Sh. Koshal Zutshi Vice president, Sh. Sunil Malhotra legal advisor alongwith all Prant Samiti Members.

On the occasion, felicitation ceremony was held in the honour meritorious students of class 8th, 10th & 12th of summer & winter zone schools.

The main speaker encouraged and advised all the members of the state to spread the message of Vidya Bharti in all corners of the state including all government & Private schools by providing rich cultural heritage and diversity of the country. He also said that each one of us should make the efforts for nation first.

The prospectus of Satya Soin BVM Nagrota Prehta & BVM Mandli were launched by Vidya Bharti Organizing Secretary Sh. J.M. Kashipati Ji & Mayor of Jammu Sh. Chander Mohan Ji.

The elections for new president for 2019-22 were held under the election observer Advocate Sunil Malhotra Ji & Sh. Ved Bhushan Ji was elected president for 2019-22 by majority vote. He nominated the working committee for next three years. Sh. Pradip Kumar presented the report of Principals conference & main points of Vidya Bharti.

Sh. J.M. Kashipati Ji laid the thrust on classroom teaching by innovative methods which must be child centered & activity based. He also requested all the members to share fruitful ideas and arrange programmes in all adjoining villages and wards of towns in which the schools are established with main thrust on the aim of Vidya Bharti. He said that ex students and teachers must be involved in this process so that our main aim of developing the Society and helping the common man by innovative ideas & rich culture of our Nation.

General Secretary

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 June, 2019
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 June, 2019

स्नेह मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश, सरस्वती कुंज निरालानगर, लखनऊ के तत्त्वावधान में पश्चिमी उत्तरप्रदेश से स्थानांतरित श्री हेमचन्द्र जी के प्रथम प्रयाग आगमन पर एक स्नेह मिलन कार्यक्रम दिनांक 3 जून, 2019 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्या भारती काशी प्रांत द्वारा भा.शि.स. पूर्वी उत्तरप्रदेश, भा.शि.स. काशी प्रदेश एवं जन शि. स. काशी प्रांत के पूर्णकालिक, पदाधिकारी एवं सदस्य बन्धु विद्यालयों को संचालित करने वाली प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति, प्रयाग, बाल कल्याण समिति प्रयाग, बाल विकास संस्था, 23 कटघर प्रयाग एवं बाल कल्याण समिति, सुल्तानपुर के अध्यक्ष एवं मंत्री, जन शिक्षा समिति की जिला इकाइयों के मंत्री, सभी आठों संकुलों के प्रमुख एवं सह प्रमुखों तथा प्रांतीय विषय प्रमुखों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री माननीय यतीन्द्र शर्मा जी, पूर्वी उत्तरप्रदेश के स्थानांतरित क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू, पश्चिमी उत्तरप्रदेश से स्थानांतरित क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री हेमचन्द्र जी एवं काशी प्रांत के प्रांतीय संगठन मंत्री डॉ. राममनोहर जी उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक श्री रामजी सिंह जी ने कराया।

श्री यतीन्द्र जी शर्मा ने कार्यक्रम की महत्ता बताते हुए कहा कि विद्या भारती के अन्तर्गत कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का विकास हो सके, इसीलिए यह स्थाानान्तरण का प्रावधान किया गया है। स्थानान्तरण से अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग परिस्थितियों में निर्णय लेना होता है, जिससे कि निर्णय क्षमता का विकास होता है एवं व्यक्ति के व्यक्तित्त्व का विकास होता है।

मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह-2019, ओड़िसा

ओड़िसा प्रांत के हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2019 में शिक्षा विकास समिति, ओड़िसा द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर के मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनंदन समारोह कार्यक्रम का आयोजन 31 मई 2019 को Odisha University of Agriculture And Technology, Bhubneshwar के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा परिषद्, ओड़िसा की अध्यक्षा डॉ. जाहान् आरा बेगम, सम्मानित अतिथि के रूप में विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. किशोरचन्द्र महंत और समारोह के अध्यक्ष के रूप में शिक्षा विकास समिति, ओड़िसा के अध्यक्ष डॉ. विनायक दास उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी आए हुए छात्र-छात्राओं एवं उनके माता-पिता तथा विद्यालय के प्रधानाचार्यों को संबोधित करते हुए बधाई दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में विद्या भारती के सह संगठन मंत्री श्री गोविन्द चन्द्र महंत एवं शिक्षा विकास समिति, ओड़िसा के मंत्री डॉ. लक्ष्मीकांत महाराणा, प्रांतीय संपादक श्री रमाकांत महांत के साथ नगर के गणमान्यजनों ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किए।

विद्या भारती सिक्किम का शारीरिक एवं खेलकूद प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

विद्या भारती सिक्किम द्वारा स्थानीय सरस्वती विद्या निकेतन, लिंग्से, जिला कलिमपोंग में प्रांतीय खेलकूद एवं शारीरिक प्रशिक्षण वर्ग (दिनांक 01 जून से 03 जून 2019) आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख श्री दिलीप कुँअर जी (उड़ीसा) के निर्देशन में प्रांत के शारीरिक शिक्षा के आचार्य-आचार्याओं ने प्रशिक्षण लिया। वर्ग में विद्या भारती के पाँच आधारभूत विषयों की जानकारी के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, धावन पथ (Track) निर्माण, किसी भी खेल के मैदान का निर्माण, व्यायाम एवं व्यायामशाला व विविध खेल के नियमों की प्रायोगिक एवं प्रशासनिक जानकारी दी गई। सिटी-ध्वनि के अर्थ प्रयोजन के बारे में व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान को स्थलगत रूप में प्रयोग किया गया।

वर्ग में विद्या भारती सिक्किम के प्रांत संयोजक श्री मोहन शर्मा ने पूर्ण समय रहकर मार्गदर्शन किया। इस वर्ग में 06 जिलों से कुल 18 प्रतिभागी उपस्थित रहे। वंदे मातरम गान के साथ प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013